



राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर







बच्चों का झरोखा

03 अगस्त 2024 । शनिवार । वर्ष : 4 । अंक : 223



आज की कविता

बस में दस सब्जियां



बस में आलू सहित कुल दस सब्जियां थीं। भिण्डी, मिर्ची, प्याज, टमाटर, मूली, गाजर, गोभी, बैगन और चुकंदर। आलू नाम का बच्चा शोर मचाने लगा तो एक सब्जी तंग आकर बस से उतर गई। बस आगे बढ़ी। आलू बच्चे ने फिर शोर किया तो एक और सब्जी उतर गई। बस आगे बढ़ी। अब क्या होगा ? मजेदार कविता विडिओ देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



आज की कहानी

प्यार के बदले प्यार 6 + वर्ष के बच्चों के लिए Story बुनकर

कड़ाके की ठंड के दिनों में, बूढ़े साधु की कुटिया में एक बार एक लोमड़ी ने आसरा लिया। वह साधु की रहमदिली और उनका प्यार देखकर कुछ दिनों के लिए वहीं ठहर गई। जाते हुए उसने कहा कि वह साधु के कुछ काम आना चाहती है। साधु ने उसे अपनी इच्छा बताई। क्या थी वह इच्छा ? क्या लोमड़ी उसे पूरी कर पाई। कहानी सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



आज की किताब

सात भेडिये 6 + वर्ष के बच्चों के लिए | Room to Read

अँधेरा होने के बाद जंगल से साइकिल पर गुज़रते हुए इफ़्फ़त, राशिद और उनके अब्बू का सामना सात भेडियों से होता है। भेडिया तीनों को खाना चाहते हैं । अब क्या होगा ? तमको क्या लगता है अपने आप को बचाने के लिए उन्होंने क्या किया होगा ? क्या तीनों बच पाए ? भेडि़यों ने उनके साथ क्या किया? कहानी पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



घूमने वाला फळारा

6 + वर्ष के बच्चों के लिए | Arvindguptatoys

आपने सर पर लटका हुआ फव्वारा देखा होगा या बगीचे के बीच में चलता फव्वारा देखा होगा। आजकल खेतों में घूमते हुए नल वाला फव्वारा अक्सर देखने को मिलता है जिसे स्प्रिंकलर कहते हैं। आज हम एक पुरानीं प्लास्टिक बॉटल और स्ट्रा की मदद से ऐसा ही घूमने वाला फव्वारा बनाएंगे। बनाने की विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



टीचर्स कॉर्नर पर्यावरण की

कक्षा बनी पढने की कक्षा

शिक्षकों के लिए | Pathshala

पढ़ना एक जटिल कौशल है, क्योंकि उसमें विविध मनो - सामाजिक कौशलों का उपयोग होता है। पढ़ना सिखाने के तरीके कई बार इसे और जटिल बना देते हैं। इस आलेख में केवला आनन्द कांडपाल ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि पढ़ना सीखने के दौरान बच्चों के बीच पठन सामग्री के साथ कैसे और क्या-क्या काम करें। आलेख पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



हमारा पुस्तकालय

बाल नाटक लिखते हुए शिक्षकों के लिए | Sandarbh

बच्चों के लिए लिखना किस हद तक बड़ों के लिए लिखने से भिन्न है? बाल साहित्य, और खासकर बाल नाटक की क्या खूबियाँ होती हैं जो उसके असर और उसके मज़े को इतना अलग बनाती हैं? बच्चों के जीवन में नाटक कब कदम रखता है? और किस तरह उसका उपयोग बच्चे के व्यक्तित्व-विकास के लिए किया जा सकता है? पढ़ते है ऐसे ही कुछ सवालों और बच्चों की दुनिया पर अन्तर्दृष्टियाँ पेश करता यह लेख।



#सबपढे

साथियों, हवामहल का 223वां अंक आपके साथ साझा किया जा रहा है । आशा है इसके पाठको की अपेक्षाओं पर यह खरा उतरेगा। अगले सप्ताह प्रसारित होने वाले अंक के लिए आप सभी से निवेदन है कि अपनी रचनाएँ बायीं और दी गई सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक कर भेजें। धन्यवाद।



आज की ऑडियो कहानी सुनने के लिए ऑडियो आइकन पर क्लिक करें |



हवामहल के सभी अंको को प्राप्त करने के लिए QR कोड SCAN करें |





